

1. **ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025:** हाल ही में, विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum - WEF) ने **ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025** जारी की, जो वैश्विक स्तर पर लिंग आधारित असमानताओं को उजागर करती है।
 - **मुख्य विशेषताएं:** **आइसलैंड** लगातार 16वें वर्ष सूचकांक में शीर्ष पर बना हुआ है, उसके बाद **फिनलैंड, नॉर्वे, यूनाइटेड किंगडम और न्यूजीलैंड** का स्थान है।
 - **वैश्विक प्रवृत्तियाँ:** वैश्विक लैंगिक अंतर 68.8% तक कम हो गया है, जो **कोविड-19** महामारी के बाद सबसे मजबूत सुधार है।
 - वर्तमान गति से, **पूर्ण वैश्विक लैंगिक समानता अभी भी 123 वर्ष दूर है।**
 - **बांग्लादेश** दक्षिण एशिया में सबसे उच्च रैंक वाला देश है, जिसने **75 स्थानों की छलांग लगाकर वैश्विक स्तर पर 24वां स्थान** प्राप्त किया है।
 - **भारत** 148 देशों में से **131वें स्थान** पर आ गया है, जिसका **लैंगिक समानता स्कोर 64.1%** है। यह **भूटान (119), नेपाल (125), और श्रीलंका (130)** से नीचे है।
 - केवल **मालदीव (138)** और **पाकिस्तान (148)** इस क्षेत्र में भारत से नीचे रैंक करते हैं।
 - **ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के बारे में:** यह एक सूचकांक है जिसे **लैंगिक समानता** को मापने के लिए तैयार किया गया है।
 - यह प्रत्येक वर्ष विभिन्न आयामों में लैंगिक समानता की वर्तमान स्थिति और विकास का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है।
 - **प्रकाशित करने वाली संस्था:** विश्व आर्थिक मंच।
 - **मापदंड:** आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक उपलब्धि, राजनीतिक सशक्तिकरण और स्वास्थ्य एवं जीवन रक्षा।
2. **कार्बन मूल्य निर्धारण की स्थिति और प्रवृत्तियाँ 2025:** हाल ही में, विश्व बैंक की **कार्बन मूल्य निर्धारण की स्थिति और प्रवृत्तियाँ 2025** रिपोर्ट ने **कार्बन मूल्य निर्धारण उपकरणों** को अपनाने में वैश्विक वृद्धि को उजागर किया।
 - **कार्बन मूल्य निर्धारण के बारे में:** यह ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन पर एक लागत है, जो जलवायु परिवर्तन से संबंधित पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य लागतों को आंतरिक करती है। यह मुख्यतः तीन प्रमुख उपकरणों के माध्यम से कार्य करता है:

- **उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ETS):** जिसे **कैप-एंड-ट्रेड प्रणाली** के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें सरकारें उत्सर्जन की सीमा निर्धारित करती हैं, और कंपनियाँ **उत्सर्जन भत्तों का व्यापार** कर सकती हैं।
- **कार्बन कर:** सरकारें **जीवाश्म ईंधनों की कार्बन मात्रा** या कुल GHG उत्सर्जन पर प्रत्यक्ष कर लगाती हैं।
- **कार्बन क्रेडिट व्यापार तंत्र:** ये क्रेडिट उन परियोजनाओं से अर्जित किए जाते हैं जो उत्सर्जन को **कम** या **हटाते** हैं (जैसे, वनीकरण, स्वच्छ चूल्हे)।
- **प्रमुख निष्कर्ष: वैश्विक वृद्धि:** कार्बन मूल्य निर्धारण उपकरणों का वैश्विक स्तर पर विस्तार होकर **80 प्रणालियों** तक पहुँच गया है (2005 में केवल 5 प्रणालियाँ थीं), जिसमें **43 कार्बन कर** और **37 उत्सर्जन व्यापार प्रणाली (ETS)** सम्मिलित हैं, जिन्होंने **2024 में \$100 अरब से अधिक का राजस्व** उत्पन्न किया।
- **क्षेत्रीय कवरेज: विद्युत क्षेत्र** में सर्वोच्च कवरेज है, इसके बाद **उद्योग, खनन, भवन और परिवहन** क्षेत्रों का स्थान है, जबकि **कचरा प्रबंधन और कृषि** क्षेत्र अब भी काफी हद तक अप्रभावित हैं।
- **भारत की कार्बन बाजार प्रगति:** भारत उत्सर्जन तीव्रता पर केंद्रित एक **दर-आधारित ETS** विकसित कर रहा है, जिसमें **भारी उद्योगों के लिए प्रदर्शन मापदंड** निर्धारित किए गए हैं।
- 3. **आर्सिया मॉन्स:** हाल ही में NASA के **2001 Mars Odyssey अंतरिक्ष यान** ने **आर्सिया मॉन्स** की एक दुर्लभ और प्रभावशाली छवि को कैप्चर किया, जो सौरमंडल के सबसे बड़े ज्वालामुखियों में से एक है।
 - यह छवि एक घने प्रातःकालीन बादलों की परत के ऊपर उभरते विशाल ज्वालामुखी को दर्शाती है।
 - **आर्सिया मॉन्स के बारे में:** यह मंगल ग्रह के **थार्सिस क्षेत्र** में स्थित है और **थार्सिस मॉन्टेस** नामक तीन विशाल ज्वालामुखियों की श्रृंखला का हिस्सा है। यह इस समूह के **दक्षिणी सिरे** पर स्थित है।
 - **विशाल आकार:** इसकी ऊँचाई **18 किलोमीटर से अधिक** है, और इसका आधार **300 किलोमीटर से अधिक** तक फैला हुआ है, जो पृथ्वी के किसी भी ज्वालामुखी, जैसे हवाई के मौना लोआ, से कहीं बड़ा है।
 - **विशाल क्रेटर:** शिखर पर एक विशाल गड्ढा है जिसे **काल्डेरा** कहा जाता है, जिसकी चौड़ाई लगभग **110 किलोमीटर** है, और यह **गिरे हुए मैम्मा कक्षों** द्वारा बना है।
 - **निर्माण प्रक्रिया:** आर्सिया मॉन्स संभवतः समय के साथ **तरल लावा की परतों** के धीरे-धीरे जमने से विकसित हुआ, जो **शील्ड ज्वालामुखियों** की विशिष्ट विशेषता है।
 - **सतही संकेत:** इसकी ढलानों पर **लावा प्रवाह, चैनल्स और ज्वालामुखीय पर्वतमालाएँ** देखी गई हैं, जो एक लंबे और सक्रिय ज्वालामुखीय इतिहास का संकेत देती हैं।

- **ज्वालामुखीय इतिहास:** वैज्ञानिकों का मानना है कि आर्सिया मॉन्स **अरबों वर्षों तक सक्रिय** रहा है, और इसकी **अंतिम विस्फोट की संभावना मात्र 20 लाख वर्ष पूर्व** हुई थी—जो भूवैज्ञानिक समय की दृष्टि से हालिया मानी जाती है।

4. कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (C3S): हाल ही में, यूरोपीय संघ की **कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (C3S)** ने रिपोर्ट किया कि **मई 2025** अब तक की **दूसरी सबसे गर्म मई** रही, जिसमें वैश्विक तापमान **19वीं शताब्दी के औसत से 1.4°C अधिक** दर्ज किया गया।

- **प्रमुख निष्कर्ष:** क्षेत्रीय गर्म बिंदु (**Regional Hotspots**): असामान्य रूप से उच्च तापमान मध्य पूर्व, पश्चिमी एशिया, पश्चिमी अंटार्कटिका, उत्तर-पूर्वी रूस, और उत्तरी कनाडा में दर्ज किए गए, जिससे हीटवेव, जंगलों में आग, हिमनद पिघलना, और जैव विविधता की हानि जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ गया है।
 - **असमान जलवायु कार्रवाई:** जबकि **चीन और यूरोपीय संघ** ने उत्सर्जन में कमी की है, वहीं **संयुक्त राज्य अमेरिका** जैसे देश, जो **पुरानी जीवाश्म ईंधन नीतियों** के अधीन हैं, और कुछ बड़ी कंपनियाँ उत्सर्जन बढ़ा रही हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर प्रगति असमान हो रही है।
- **C3S के बारे में:** यह यूरोपीय संघ के कोपरनिकस पृथ्वी अवलोकन कार्यक्रम के अंतर्गत छह विषयगत सेवाओं में से एक है।
 - **परिचालन संरचना:** यह यूरोप और विश्व भर में अनुसंधान अवसंरचनाओं के एक नेटवर्क के माध्यम से कार्य करता है।
 - **उद्देश्य:** भूत, वर्तमान और भविष्य के जलवायु प्रवृत्तियों पर विश्वसनीय डेटा प्रदान करता है, ताकि सूचित निर्णय लिए जा सकें।
 - **वैज्ञानिक आधार:** यह **विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम (WCRP)** के तहत किए गए अनुसंधान पर आधारित है और **वैश्विक जलवायु अवलोकन प्रणाली (GCOS)** द्वारा पहचानी गई उपयोगिता आवश्यकताओं पर केंद्रित है।
 - **कार्यान्वयन:** यह यूरोपीय मध्यम-अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (ECMWF) द्वारा यूरोपीय आयोग की ओर से संचालित किया जाता है।

5. हिमालयन लॉन्ग-टेल्ड मायोटिस: वैज्ञानिकों ने हाल ही में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में चमगादड़ की एक नई प्रजाति की पहचान की है, जिसका नाम **हिमालयन लॉन्ग-टेल्ड मायोटिस (Myotis himalicus)** है।

- **हिमालयन लॉन्ग-टेल्ड मायोटिस के बारे में:** यह **Myotis frater complex** से संबंधित है, जो चमगादड़ों की एक समान प्रजातियों का समूह है, जो **पूर्वी और मध्य एशिया** के विभिन्न हिस्सों में फैली है, जिनमें **चीन, जापान, कोरिया और उज्बेकिस्तान** शामिल हैं।

- विशेषताएँ: यह मध्यम आकार का चमगादड़ है, जिसकी लंबाई लगभग 3.5 इंच और वजन 1 आउंस से कम होता है। इसकी विशेषता है – लंबे अंगूठे जो छोटे, मज़बूत पंजों, छोटे कान, नाज़ुक दांतों और छोटे पंजों के साथ होते हैं, जो इसे वन की छतरी में तेजी से गतिशीलता के लिए अनुकूल बनाते हैं।
- पारिस्थितिक महत्व: यह कृषि कीटों और रोगवाहक मच्छरों के प्रबंधन में सहायक होते हैं।
- ✓ कुछ चमगादड़ रस और फलों पर निर्भर रहते हैं, जो परागण और बीजों के प्रसार में मदद करते हैं, जिससे वन पुनरुत्पादन में योगदान होता है।



6. **राष्ट्रीय स्वचालित अंगुलि छाप पहचान प्रणाली (NAFIS):** हाल ही में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वचालित अंगुलि छाप पहचान प्रणाली (NAFIS) के अंतर्गत विदेशी पहचान पोर्टल (FIP) की प्रक्रिया में संशोधन किया है।
- **NAFIS के बारे में:** यह भारत भर में अपराधियों की अंगुलि छापों को संग्रहीत और मिलान करने वाली एक केंद्रीकृत डिजिटल प्रणाली है।
 - यह पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अपराधियों के अंगुलि छाप रिकॉर्ड अपलोड करने और खोजने के लिए रीयल-टाइम एक्सेस प्रदान करती है।
 - **कार्यप्रणाली:** प्रत्येक अपराधी को उनकी बायोमेट्रिक जानकारी के आधार पर एक विशिष्ट 10-अंकीय राष्ट्रीय अंगुलि छाप संख्या (NFN) आवंटित की जाती है।
 - ✓ प्रारंभिक दो अंक राज्य कोड को दर्शाते हैं, इसके बाद एक व्यक्तिगत संख्या होती है।
 - ✓ यह पहचान संख्या जीवनभर अपरिवर्तित रहती है, जिससे उस व्यक्ति से जुड़े सभी भविष्य के अपराधों को एक ही संख्या के अंतर्गत जोड़ा जा सकता है।
 - सभी अंगुलि छाप डेटा डिजिटल रूप में संग्रहित किया जाता है और जांच के दौरान तत्काल मिलान किया जा सकता है। इससे पूर्व अपराधी, सक्रिय वारंटों, या अन्य पुलिस डेटाबेस में अलर्ट्स के साथ संबंधों की पहचान करना सरल हो जाता है।
 - इसका प्रबंधन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा नई दिल्ली स्थित केंद्रीय अंगुलि छाप ब्यूरो में किया जाता है।

7. **टॉरेट सिंड्रोम (Tourette Syndrome):** हाल ही में **टॉरेट सिंड्रोम** पर ध्यान केंद्रित किया गया है क्योंकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों पर इसके प्रभाव और समय रहते सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया है।
- **टॉरेट सिंड्रोम के बारे में:** यह एक **तंत्रिका संबंधी स्थिति (neurological condition)** है, जो अनैच्छिक, दोहराए जाने वाले शारीरिक गतियों या ध्वनियों (जिन्हें "टिक्स" कहा जाता है) को जन्म देती है।
 - यह सामान्यतः **2 से 15 वर्ष** की उम्र के बीच दिखाई देती है, और अधिकांश मामलों की शुरुआत **लगभग 6 वर्ष की आयु** से होती है।
 - यह स्थिति वैश्विक स्तर पर **0.3% से 1%** लोगों को प्रभावित करती है और **लड़कियों की तुलना में लड़कों में अधिक सामान्य** पाई जाती है।
 - **टिक्स के प्रकार (Types of Tics):**
 - **सरल मोटर टिक्स (Simple Motor Tics):** तेज़, बार-बार दोहराए जाने वाली गतियाँ जैसे पलक झपकाना, कंधे उचकाना, या सिर झटकना।
 - **सरल वोकल टिक्स (Simple Vocal Tics):** ऐसी ध्वनियाँ जैसे गला साफ करना, घरघराहट करना, या सूंघने की आवाज़ निकालना।
 - **जटिल मोटर टिक्स (Complex Motor Tics):** इसमें अधिक जानबूझकर की गई गतिविधियाँ जैसे कि कूदना, वस्तुओं को छूना, या शरीर को मरोड़ना शामिल होती हैं।
 - **जटिल वोकल टिक्स (Complex Vocal Tics):** इसमें **शब्दों को दोहराना (echolalia)** या कभी-कभी **अशोभनीय भाषा (coprolalia)** शामिल हो सकती है।
 - टिक्स अक्सर **तनाव, उत्तेजना या चिंता** के कारण बढ़ जाते हैं, लेकिन जब व्यक्ति **शांत होता है या सो रहा होता है**, तब ये कम हो जाते हैं।
 - **उपचार (Treatment):** इसका अभी तक कोई स्थायी इलाज उपलब्ध नहीं है, लेकिन **उपचार से लक्षणों को कम किया जा सकता है**।
 - **संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा (CBT)** ने टिक्स और उससे जुड़ी चिंता के प्रबंधन में सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं।